EDITOR'S SCATVIEW

Manoj Kumar Madhavan

From October 14–16, 2025, the SCaT India Trade Show returns to the Jio World Centre, Mumbai. For over three decades, SCaT has remained the neutral platform where the cable, satellite, broadband, and broadcasting ecosystem has gathered to discuss, debate, and define the future. Through every transformation - from analog to digital, copper to fiber, linear TV to OTT, SCaT India Trade Show has been the stage where change first revealed itself to the industry.

India's cable and satellite industry now enters a pivotal decade. By 2035, the country has the potential to emerge as the world's preferred broadcasting hub-a center for global investment, job creation, and content delivery innovation.

But there are pressing challenges that demand attention. Piracy continues to be the Achilles' heel of the broadcasting sector, eroding revenues and threatening long-term sustainability. A forward-looking National Broadcast Policy that blends law, technology, and industry collaboration is critical to building a piracy-resilient future. Cybersecurity, too, has emerged as a major concern, with the expanding digital ecosystem creating vulnerabilities across satellite and cable networks. Safeguarding these systems must be a top priority.

Yet, policy and economics remain uncertain. The long-awaited Broadcast Bill is stuck in limbo, leaving regulation clouded in ambiguity. The GST Council's decision to retain the 18% levy continues to weigh on operators and consumers alike.

Against this backdrop, the role of SCaT Show becomes even more critical. It is here that LCOs, MSOs, ISPs, telecom and broadband engineers, and media professionals can see the technologies, business models, and partnerships that will shape the industry's next phase.

As India stands at this crossroads, SCaT India Trade Show 2025 is not just a showcase, it is the conversation that will define the decade ahead.

(Manoj Kumar Madhavan)

*14 से 16 अक्टूबर **2025** से, स्कैट इंडिया ट्रेड शो मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में वापस आ रहा है। तीन दशकों से भी ज्यादा समय से, स्कैट एक तटस्थ मंच बना हुआ है, जहां केबल, सैटेलाइट, ब्रॉडबैंड और प्रसारण जगत के लोग चर्चा, बहस और भविष्य को परिभाषित करने के लिए एकत्रित होते हैं। एनालॉग से डिजिटल, कॉपर से फाइबर, लीनियर टीवी से ओटीटी तक, हर बदलाव के दौरान, स्कैट ही वह मंच रहा है जहां बदलाव ने पहली बार खुद को उद्योग के सामने प्रकट किया।*

*भारत का केबल और सैटेलाइट उद्योग अब एक निर्णायक दशक में प्रवेश कर रहा है। **2035** तक, देश में दुनिया का पसंदीदा प्रसारण केंद्र बनने की क्षमता है– वैश्विक निवेश, रोजगार सृजन और सामग्री वितरण नवाचार का केंद्र।*

लेकिन कुछ गंभीर चुनौतियां हैं जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। पायरेसी प्रसारण क्षेत्र की सबसे बड़ी कमजोरी बनी हुई है, जिससे राजस्व में कमी आ रही है और दीर्घकालिक स्थिरता को खतरा है। पायरेसी रोधी भविष्य के निर्माण के लिए एक दूरदर्शी राष्ट्रीय प्रसारण नीति, जिसमें कानून, तकनीक और उद्योग सहयोग का सम्मिश्रण हो, अत्यंत महत्वपूर्ण है। साइबर सुरक्षा भी एक बड़ी चिंता का विषय बनकर उभरी है, क्योंकि विस्तारित डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र सैटेलाइट और केबल नेटवर्क में कमजोरियां पैदा कर रहा है। इन प्रणालियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

*फिर भी नीति और अर्थशास्त्र अनिश्चित बने हुए हैं। लंबे समय से प्रतीक्षित प्रसारण विधेयक अधर में लटका हुआ है जिससे नियमन अस्पष्टता के घेरे में है। जीएसटी परिषद का **18%** कर बरकरार रखने का फैसला ऑपरेटरों और उपभोक्ताओं, दोनों पर भारी पड़ रहा है।*

इस पृष्ठभूमि में, स्कैट की भूमिका और महत्वपूर्ण हो जाती है। यहीं पर एलसीओ, एमएसओ, आईएसपी, दूरसंचार और ब्रॉडबैंड इंजीनियर और मीडिया पेशेवर उन तकनीकों, व्यवसायिक मॉडलों और साझेदारियों को देख सकते हैं जो उद्योग के अगले चरण को आकार देंगी।

*चूंकि भारत इस चौराहे पर खड़ा है, इसलिए स्कैट **2025** महज एक प्रदर्शन नहीं है–यह वह वार्तालाप है जो आने वाले दशक को परिभाषित करेगा।*

(Manoj Kumar Madhavan)